

Qo → राष्ट्रपति काग्रेस की विदेश नीति को प्रभावित करने वाले कारकों को लिखें।

उत्तर - राइट्स पार्टी का जर्मनी के शासनकाल में अमेरिका विरुद्ध से एक राजिनामा राइट्स के रूप में उत्तरकर आमतौर आमतौर इसका पूरा श्रेष्ठ जर्मनी को दी जाता है क्योंकि उसकी विदेश नीति के कारण ही यह संगठन हुआ परन्तु इसकी विदेश नीति को प्रभावित करने वाले निम्नलिखित कारण थे :-

① साम्राज्यवाद :- राज 19वीं शताब्दी में विश्व में साम्राज्यवाद को बढ़ावा मिल रहा था, तो विश्व के सभी देश अपनी साम्राज्यवादी नीति को बढ़ा रहे थे। उदा. यूरोप, अमेरिका ने भी अपनी साम्राज्यविस्तार विस्तार की ओर ध्यान दिया यूरोप में अंग्रेज, फ्रांस का विस्तार काफी तेजी के साथ हो रहा था। अतः उन्हें कच्चे माल के लिए तथा बेचने वाले की बिक्री के लिए बाजारों की आवश्यकता थी। इसलिए सभी सम्पन्न देश विश्व के पिछड़े व कमजोर देशों पर अपना आधिपत्य जमाने लगे तथा वहाँ अपना विशेष कर प्रयोग की नीति का पालन करने लगे। मिल के कारखाने विश्व में प्रमुख शक्तियों के बीच अपने उपनिवेश बनाने के लिए तथा साम्राज्यवाद के लिए प्रतिस्पर्धा शुरू हो गई। अमेरिका ने भी ब्रिटेन, मैक्सिको तथा कनाडा में यूरोपीय विशेष किया तथा समुद्र पार भी उपनिवेश बनाना शुरू कर दिया। अनेक विचारकों और लेखकों ने अमेरिका की इस साम्राज्यवाद की नीति का समर्थन किया।

(2) नौ-सैनिक शक्ति :- 1880 ई तक केवल सुझी तलों की निगरानी करने के लिए नौ-सेना का निर्माण किया गया था लेकिन 1880 ई के बाद अब राष्ट्रीय सुरक्षा हेतु नौ-सैनिकों का विकास शुरू हो गया और इनकी संख्या बढ़ने लगी। समग्र के साथ नौ-सेना का आयुजीकरण होने लगा। नौ-गर्भे इविमार् जंगी जहाज सुझी गहाग आदि का विकास तेजी से होने लगा। अमेरिका ने विश्व में अपनी जलशक्ति को दर्शाने के लिये इन जहाजों को सुझी के पारों और पक्कर लगाने के लिए भेजा। नौ-सेना आयुजीकरण के द्वारा 16 जंगरी जहाजों का निर्माण करवा गया जिस पर सफेद रंग लगा हुआ था, जो (white fleet) के नाम से प्रसिद्ध हो। कउवेरल-ने विरोधा शक्ति में सुझी की स्थापना का प्रयास किया, वह निडर और स्वतंत्र सम्पत्तिगर्भों का ही नहीं बल्कि सुझी का भी समर्थक था। उसने विदेश नीति के द्वारा जो भी कार्य किया वह गहर साधारा के लिए उचित एवं व्यवहारिक था।

Amir